वायरस ने प्रकट होकर उम्मीदों पर पानी फेरा

हाल ही में खबर आई थी कि 'मिसिसिप्पी शिशु' के नाम से मशहूर बच्ची ने एड्स वायरस पर फतह हासिल कर ली है। मगर अब यह दुखद खबर आई है कि एड्स वायरस उसके शरीर में फिर से प्रकट हो गया है। बच्ची दो माह बाद अपना चौथा जन्म दिन मनाएगी और शायद अब उसे जीवन भर एंटी-रिट्रोवायरल दवाइयां लेना होगा।

गौरतलब है कि 'मिसीसिप्पी शिशु' एड्स वायरस से संक्रमित मां को पैदा हुई थी, जिसे गर्भावस्था के दौरान कोई उपचार नहीं मिला था। डॉक्टरों ने इस बच्ची को एंटी-रिट्रोवायरस उपचार जन्म के मात्र 30 घंटे बाद देना शुरू कर दिया था मगर परिवार ने यह उपचार 18 महीने बाद बंद कर दिया था। इसके बाद वह बच्ची 27 माह तक बगैर किसी दवा के रही और खुशकिस्मती से उसके शरीर में वायरस के निशान नहीं मिले।

इस खोज से उत्साहित होकर वैज्ञानिकों ने कुछ प्रयोग करने का विचार किया था ताकि यह देखा जा सके कि क्या एड्स-संक्रमित मां के बच्चों को आजीवन एंटी-रिट्रोवायरस उपचार से मुक्ति दिलाई जा सकती है। यह परीक्षण शुरू होने ही वाला था। मगर अब 'मिसीसिप्पी शिशु' में वायरस फिर से दिखा है, तो पूरी परियोजना पर पुनर्विचार ज़रूरी हो गया है। वैसे अभी भी इस परियोजना को पूरी तरह तिलांजलि नहीं दी गई है। अलबत्ता, इसकी डिज़ाइन पर फिर से विचार शुरू हो गया है। पहले योजना यह थी कि शिशुओं को दो साल तक एंटी-रिट्रोवायरल दवा देने के बाद दवा रोक दी जाएगी।

वैसे डॉक्टरों को अभी यह समझ में नहीं आया है कि वायरस पुनः प्रकट कैसे हुआ है। हर 6-8 हफ्ते में उसकी जांच करके देखा जाता था कि एड्स वायरस है या नहीं। पिछले हफ्ते की जांच में पता चला कि उसके खून में अचानक सीडी-4 कोशिकाओं की संख्या में कमी आई है। इसके बाद वायरस की जांच की गई तो पॉज़िटिव परिणाम मिले। और यह वायरस बाहर से नहीं आया है। यानी 27 माह से वह वायरस उसके शरीर में कहीं छिपा बैठा था। इसका मतलब यह भी है कि आने वाले परीक्षण में सिर्फ खून की जांच पर भरोसा करने की बजाय अन्य ऊतकों के नमूनों की जांच भी करनी होगी।

बच्ची की एंटी-रिट्रोवायरस दवाइयां फौरन शुरू कर दी गई और उसकी प्रतिरक्षा कोशिकाएं बहाल होने लगी हैं। वैसे चाहे वायरस लौट आया हो, मगर यह बात फिर भी अहमियत रखती है कि पूरे 27 माह तक वायरस दबा रहा। डॉक्टर इस अनुभव को आगे के परीक्षण में जोड़ना चाहते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***